ये अव्यक्त इशारे

अब सम्पन्न वा कर्मातीत बनने की धुन लगाओ

18-12-2025

जैसे साकार में आने जाने की सहज प्रैक्टिस हो गई है, वैसे आत्मा को अपनी कर्मातीत अवस्था में रहने की भी प्रैक्टिस हो। अभी-अभी कर्मयोगी बन कर्म में आना, कर्म समाप्त हुआ फिर कर्मातीत अवस्था में रहना, इसका अनुभव सहज होता जाए। सदा लक्ष्य रहे कि कर्मातीत अवस्था में रहना है, निमित्त मात्र कर्म करने के लिए कर्मयोगी बने फिर कर्मातीत।

Now have the deep concern become complete and karmateet.

Just as it has become easy to be in your corporeal form, in the same way, you souls have to practise being in your karmateet stage. One moment be a karma yogi and action and, as soon as you finish that action, be in your karmateet stage. This experience will then continue to become easy. Always have the aim to be in your karmateet stage. Become a karma yogi as an instrument to action and then become karmateet.